	भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान भुवनेश्वर **Indian Institute of Technology Bhubaneswar**

प्रेस विज्ञप्ति

डीएएडी के प्रतिनिधियों ने जर्मनी में मौजूद उच्च शिक्षा के अवसरों पर जागरूकता फैलाने के लिए किया आईआईटी भुवनेश्वर का दौरा

भुवनेश्वर, 6 नवंबर 2023: जर्मनी में उच्च शिक्षा के अवसरों के बारे में जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से, डॉयचर एकेडेमिशर ऑस्टॉशडिएंस्ट (डीएएडी) के दो सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने 5 नवंबर 2023 को भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) भुवनेश्वर का दौरा किया। इस अवसर पर अपूर्व महेंद्रू, उप निदेशक, विपणन प्रमुख, डीएएडी, भारत और सुश्री इशिका डी'मोंटी, छात्रवृत्ति कार्यक्रम अधिकारी, डीएएडी, भारत ने जर्मनी में उच्च शिक्षा की संभावनाओं तथा छात्रों के लिए अनुसंधान के विभिन्न अवसरों पर डीन, विद्यापीठों के प्रमुखों और छात्रों के साथ विस्तृत बातचीत की और जानकारियाँ साझा कीं।

आईआईटी भुवनेश्वर के निदेशक प्रोफेसर श्रीपाद करमलकर ने दोनों प्रतिनिधियों के साथ सार्थक विचार विमर्श किया। प्रो. करमलकर ने संस्थान, छात्रों के लिए शैक्षणिक सुविधाओं और अनुसंधान और नवाचार की दिशा में की जा रही विभिन्न पहलों का अवलोकन किया। डीएएडी की दो सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल टीम ने जर्मनी के विभिन्न विश्वविद्यालयों में उपलब्ध विभिन्न छात्रवृत्ति और अन्य लाभों के बारे में विस्तृत जानकारी दी । उन्होंने विद्यार्थियों के विभिन्न प्रश्नों का भी समाधान किया । आगे उन्होंने इस तथ्य पर प्रकाश डाला कि यह ध्यान दिया जाना चाहिए कि आईआईटी भुवनेश्वर ने दोनों संस्थानों और जर्मन विश्वविद्यालयों और या अनुसंधान संस्थानों के बीच सहयोग को बढ़ावा देने के लिए 30 जून 2023 को तीन साल की अवधि के लिए डीएएडी के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया है।

उक्त के बाबत यह उल्लेखनीय है कि आईआईटी भुवनेश्वर छात्रों को वैश्विक मानकों के अनुसार शिक्षाविदों और अनुसंधान में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए संपूर्ण ज्ञान और विशेषज्ञता का एक मंच प्रदान करने हेतु अंतरराष्ट्रीय सहयोग पर जोर दे रहा है। अपने अंतर्राष्ट्रीय संबंधों के एक भाग के रूप में, संस्थान ने सहयोगात्मक अनुसंधान और अंतर्राष्ट्रीय छात्रों और संकाय मध्य वैचारिक आदान-प्रदान के लिए कई अंतरराष्ट्रीय विश्वविद्यालयों के साथ समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर भी किए हैं।

आईआईटी भुवनेश्वर के एसोसिएट डीन (पूर्व छात्र मामले और अंतर्राष्ट्रीय संबंध) डॉ. आशीष विश्वास भी इस अवसर पर उपस्थित रहे और प्रतिनिधियों के सम्पूर्ण दौरे का समन्वय किया।